



GOVT OF RAJASTHAN
SCHOOL EDUCATION DEPARTMENT
RAJASTHAN COUNCIL OF SCHOOL EDUCATION

INAUGURAL MEETING with SELECTED MEMBERS of Focus Groups Development of State Curriculum Frameworks for

1. School Education
2. Early Childhood Care and Education
3. Teacher Education
4. Adult Education

22 Sep 2021

पाठ्यचर्या विकास - परिप्रेक्ष्य

व्यापक परिप्रेक्ष्य

- बाल अधिकार
- SDG 4: Ensure inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all
- 21वीं सदी की आवश्यकताएं – आर्थिक व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन

राष्ट्रीय नीतियां

- शिक्षा का अधिकार
- NCF 2005
- NEP 2020

प्रादेशिक व स्थानीय संदर्भ

- संस्कृति, इतिहास, भौगोलिक परिस्थितियां, आंचलिक व स्थानीय विशिष्टताएं
- शैक्षिक वास्तविकताएं, महामारी का प्रभाव, वंचित समूहों की आवश्यकताएं

पाठ्यचर्याओं की रूपरेखा - क्या और क्यों

विद्यार्थी = ECCE, School, Adult, Teacher

पाठ्यचर्या की रूपरेखा यह बताती है कि -

- शिक्षा के अलग-अलग पड़ावों में विद्यार्थियों के लिए
 - क्या-क्या सीखना जरूरी है ?
 - किस क्रम में? और कितना?
- कैसे सीखना है और किसके सहारे?
- इसके लिए शिक्षकों और व्यवस्था की क्या तैयारी होनी चाहिए?

और यह भी कि -

- ये ही क्यों जरूरी है?
- और इसके आधार क्या हैं?

यह 'क्यों' इस पर निर्भर करता है कि -

1. हम क्या चाहते हैं,
2. और हमारे संदर्भ और आवश्यकताओं के अनुसार क्या जरूरी है, कौन सी सीमाएं हैं?

जो हम चाहते हैं उसे प्रभावित करते हैं

- हमारे विजन
- विश्वास, मान्यताएं, मूल्य
- ज्ञान और विषयों के बारे में समझ
- शोध और प्रमाण
- नीतियां (NEP 2020 और प्रदेश की)

संदर्भ और आवश्यकताओं के अनुसार जरूरतों को पहचानने के लिए -

- प्रदेश की विविधता विभिन्न संदर्भ, इतिहास और संस्कृति
- पिछले दशकों में हुआ काम, आप उससे सीखी बातें
- जमीनी हालात, मुश्किलें, सीमाएं, ताकतें
- अलग-अलग भागीदारों के अनुभव और नजरिए

SCF-ECCE:

Age-appropriate, holistic (SEL); Sensory experience; Foundational learning; Involve family, prepare for school without 'schoolification'.

SCF-SE:

Constructivist, experiential learning; Higher order learning and 21st century perspective within subjects; inter-linkages across disciplines; equity orientation; assessment for learning; life skills; student as co-creator of learning.

SCF-AE:

Principles of adult learning; linking with life of learners; focus on learner agency; enabling adaptation to dynamic needs; continued learning.

SCF-TE:

Understand children's holistic and equitable development; constructivist pedagogy and its contextual implementation; including formative assessment; performance standards and indicators; teacher as co-creator of curriculum; CPD perspective

पाठ्यचर्या की रूपरेखा - विकास की प्रक्रिया, संक्षिप्त में

1. प्रतिभागियों की पहचान (SCERT, SC, CMT, UNICEF, Ignus Pahal, partners) + **3-400 member Working Team**
2. साझेदारी और चिंतन के माध्यम से 'हम क्या चाहते हैं' पर सहमति बनाना (**Foundational process**) → Focal Group Papers
3. शोध और सर्वेक्षण से संदर्भ और आवश्यकताओं के अनुसार जरूरतों को पहचानना (**Surveys**) → Focal Group Papers
4. **25 Position Papers**
5. वांछनीय पहलुओं के आधार पर चारों पाठ्यचर्या की प्रारंभिक रूपरेखा
6. संदर्भ और आवश्यकता के अनुसार प्रारंभिक रूपरेखा को तराशना
7. फीडबैक के आधार पर फाइनल करना
Paperless process!

कार्यशालाएं - विज्ञान | विश्वास, मान्यताएं, मूल्य | ज्ञान के उपागम

10 Focus Groups Discussion | 4 SCFs पर प्रभाव
+ 5 Focus Groups Discussion | 4 SCFs पर प्रभाव

Surveys | प्रभाव + 10 Focus Groups Discussions | प्रभाव

Focus Groups finalize Position Papers + 4 SCFs पर प्रभाव
4 SCFs Development – Stage 1 (वांछनीय क्या है)
4 SCFs Development – Stage 2 (सीमाएं, वास्तविकताएं)

Final SCF + क्रियान्वयन योजना

पहले चरण के फोकस ग्रुप

1. पूर्व-विद्यालय शिक्षा एवम् मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान
2. भाषा शिक्षा
3. गणित शिक्षा और कम्प्यूटेशनल चिन्तन
4. विज्ञान शिक्षा
5. सामाजिक विज्ञान में शिक्षा
6. पर्यावरण शिक्षा
7. कला शिक्षा
8. विद्यालय शिक्षा हेतु शैक्षिक प्रौद्योगिकी
9. प्रौढ़ शिक्षा
10. शिक्षक शिक्षा

(सारे 25 समूहों की सूची bit.ly/RSCERTSCF लिंक पर जा कर देखें)

Focus group में

हर समूह में –

- 25 – 40 सदस्य (आप में से)
- 3+ coordinators – RSCERT/DIET, चयनित सदस्य, सहयोगी संस्था
- आगे जा कर उप-समूह, व उनके coordinators – गतिशील स्थिति
- हर समूह में 1-4 SCF का प्रतिनिधित्व
- कुछ सदस्यों की विशेष ज़िम्मेदारी – जेंडर, समता, समेकन, मूल्य शिक्षा, शैक्षिक चरणों में सामंजस्य, शिक्षा के लक्ष्य, आकलन व परीक्षाएं, भारत का ज्ञान, सामग्री, आदि। बाद में इनके अलग समूह...
- पहले माह में – कार्य के 'नियम', तौर-तरीके, टेक्नालॉजी का उपयोग, दस्तावेजीकरण के बारे में निर्णय
- सामूहिक कार्यशालाएं + हर FG में अलग से चर्चा + ज़िम्मेदारियां
- हर FG के लिए प्रारंभिक प्रश्न + अनुभवी coordinators/facilitators + digital library
- पर्चे की रूप-रेखा + 4 SCF के लिए महत्वपूर्ण बिंदु की शुरुआत

आप की भूमिका

जो हम चाहते हैं उसे प्रभावित करते हैं

- हमारे विजन
- विश्वास, मान्यताएं, मूल्य
- ज्ञान और विषयों के बारे में समझ
- शोध और प्रमाण
- नीतियां (NEP 2020 और प्रदेश की)

- अध्ययन, विचार व तैयारी से भाग लें
- टीम में अपने जिले/ब्लॉक का प्रतिनिधित्व – कार्यशालाओं + FG चर्चाओं में
- अपने विचार FG चर्चाओं में जम के साझा करें
- नियमित भागीदारी सुनिश्चित करें
- अलग-अलग दृष्टिकोण पहचानें, उनके बीच रास्ता तय करें
- तर्क, प्रमाण, सिद्धांत के आधार पर ही मानें
- दस्तावेजीकरण में भाग लें

संदर्भ और आवश्यकताओं के अनुसार जरूरतों को पहचानने के लिए -

- प्रदेश की विविधता विभिन्न संदर्भ, इतिहास और संस्कृति
- पिछले दशकों में हुआ काम, आप उससे सीखी बातें
- जमीनी हालात, मुश्किलें, सीमाएं, ताकतें
- अलग-अलग भागीदारों के अनुभव और नजरिए

- व्यावहारिक पक्ष को अवश्य उभारें – जमीनी हालातों + संदर्भों को उजागर करें
- अपने जिले/ब्लॉक की स्थानीय विशिष्टताएं, आवश्यकताएं साझा करें
- क्रियान्वयन सुझाव दें
- सर्वेक्षणों में सहयोग

अगले कदम

1. उन्मुखीकरण – 2 समूहों में, अधिक विस्तार में
2. प्रारंभिक अध्ययन, तैयारी + FG चयन को फाइनल करना (इनके बारे में उन्मुखीकरण कार्यशाला में चर्चा)
3. FG समूह में अलग-अलग ज़िम्मेदारियों को चुनना
4. अपनी भागीदारी की नियमितता को सुनिश्चित करना
5. bit.ly/RSCERTSCF लिंक का उपयोग शुरू करना (यह PPT भी आप को वहीं मिलेगा)
6. कार्यशाला 1 में भाग लेना
7. प्रदर्शन सूचकों से परिचित होना